Demands of Trainees of Units of Fertilizer Corporation of India

2337. SHRI R. P. DAS: Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) what are the demands of the trainees of the Units of Fertilizer Corporation of India of Sindri; and

(b) whether the Corporation is thinking in terms of absorbing the trainees as regular employees of the Corporation after completion of their training?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI H. N. BAHUGUNA). (a) The apprentices recruited in the various categories in the Sindri Unit of the FCI, on completion of their training, have been agitating for their permanent absorption, irrespective of the availability of vacancies The Graduate Apprentices wanted their absorption without being interviewed

(b) The FCI has informed the Apprentices that they will be given preference over outside candidates in filling up the vacancies at Sindri, consistent with the statutory reservation for SC/ST if they appear for the interview and pass the test as per the recruitment rules.

रेलवे को स्टीम कोक की मांग

2338. श्री युवराज : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या रेलवे को प्रतिदिन स्टीम कोक के चार हजार वैगनों की जरूरत पड़ती है;

(ख) क्या रेलवे विभाग अपनी मांग के लिए कोयला खानों को दोष देने का प्रयास कर रहा है;

(ग) क्या सिंगरेनी कोयला खान में 12.5 लाख टन स्टीम कोक का भारी भण्डार जमा हो गया है जो रेलवे की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है;

(घ) क्या मालडिब्बों की कमी से कोयले की कमी का दुष्चक्र बढ़ गया है; और

(ङ) यदि हां, तो क्या ऐसी स्थिति के बचने के लिए जिसमें लगभग डेढ़ सौ रेलगाड़ियों को सारे भारत में रद्द करना पड़ा था, कोई प्रबन्ध किया जाएगा और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) जी नहीं। रेलों के लिए प्रतिदिन बड़ी लाइन के 1600 चौपहिया माल डिब्बा कोयले की जरूरत है।

(ख) जी नहीं।

(ग) 30-6-78 की स्थिति के अनुसार सिंगरेनी कोयला खानों में खदान के मुहाने पर कोयला का स्टाक 11.8 लाख मीटरीटन है। यह सामान्य स्टाक से मामूली सा अधिक है। इसमें रेलों द्वारा उपयोग के लिए स्टीम कोयला थोड़ा सा ही है।

(घ) और (ङ). जी नहीं। लेकिन उत्पादन और परिवहन में कठिनाइयों का निराकरण करके ऊर्जा मंत्रालय के साथ तालमेल से कोयला की सप्लाई बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय पहले ही कर लिये गये हैं। विशेष उपायों में ग्रीष्म कालीन स्पेशलों से मुक्त हुए रेल इंजनों सहित अतिरिक्त रेल इंजनों का उपयोग क्लोज्ड सर्किट परिवहन की तेज करना, कोयला कम्पनियों के साथ जो कोयला उत्पादन में सुधार लाने के लिए स्वयं उपाय कर रही है, निकटतर समन्वयन शामिल है।

पूर्वोत्तर रेलवे में यात्रियों की परेशानी

2339. श्री छीतूभाई गामित : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का ध्यान इस बात की ओर दिलाया गया है कि पूर्वोत्तर रेलवे के पश्चिम सेक्शन में यात्रा करने वाले यात्रियों को

बिना टिकट यात्रा करने वाले या गलत टिकट लेकर यात्रा करने वाले अवांछित तत्वों से परेशानी हो रही है;

(ख) क्या टिकट का निरीक्षण करने वाले कर्मचारी इन तत्वों को रोकने में असमर्थ हैं; और

(ग) यदि हाँ, तो सरकार ने इस बारे मे क्या कार्यवाही की है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण) : (क) से (ग). अवांछित तत्वो द्वारा जनता को परेशान किये जाने की कोई शिकायत नहीं मिली है। हालांकि 1-4-78 से 30-6-78 की अवधि के दौरान पूर्वोत्तर रेलवे के पश्चिमी खण्ड मे पड़ने वाले लखनऊ और इज्जत नगर मण्डलों पर टिकट जांच दलों पर हमला करने के दो मामले हुए है। उपयुक्त कार्यवाई के लिए सिविल और पुलिस प्राधिकारियो के पास इन मामलों की रिपोर्ट लिखा दी गई है।

नीचे दिये गये आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि इस क्षेत्र मे बिना टिकट यात्रा की रोकथाम के अभियान मे कोई ढिलाई नहीं आयी है :

	1-4-1977 से 30-6-77 तक की अवधि के दौरान	1-4-1978 से 30-6-78 तक की अवधि के दौरान
1. की गयी जांच की संख्या .	1,275	1,351
2 बिना टिकट अथवा गलत टिकटों पर यात्रा करते हुए पकड़े गये व्यक्तियो की संख्या . . .	13,074	10,943
3. रेलवे की बकाया वसूल की गयी राशि.	रु० 1,71,339	रु० 1,53,408
4 उन व्यक्तियो की संख्या जिन पर मुकदमा चलाया गया . . .	946	1,371
5. उन व्यक्तियों की संख्या जिन्हें जेल भेजा गया . . .	636	904
6. न्यायिक जुर्माने की वसूल की गयी राशि	रु० 15,680	रु० 32,386

इन सकेन्द्रित अभियानों के परिणाम-स्वरूप गत वर्ष की तत्सम्बन्धी अवधि की तुलना में 1-4-1978 से 30-6-78 की अवधि के दौरान टिकटों की बिक्री और उससे होने वाली आय में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

टिकट जांच सम्बन्धी कार्य में और तेजी लायी गयी है।